शैक्षिक सत्र 2026–2027

विषय – रंजन कला

कक्षा – 10 पूर्णांक– 70

- इस विषय में 70 अंकों का केवल एक प्रश्न–पत्र तीन घंटे का होगा।
- प्रश्न–पत्र तीन खण्डों–खण्ड अ, ब और स में विभक्त होगा। सभी खण्ड के प्रश्न करने अनिवार्य होंगे।
- खण्ड– अ में 20 अंकों के बहुविकल्पीय प्रश्न होंगे।

इकाई–1 **20 अंक**

खण्ड – (अ)

इस खण्ड में संयोजन के मूल तत्त्व – अनुपात, एकता, लय, प्रभाविता, संतुलन, सामंजस्य , परिप्रेक्ष्य, विरोधाभाष, अन्तराल, षडंग (चित्रकला के छः अंग) के साथ–साथ खण्ड–ब (चित्र संयोजन) एवं खण्ड–स (मानव अंग चित्रण) के सैधान्तिक ज्ञान पर आधारित 20 बहुविकल्पीय प्रश्न पूछे जायेंगे।

इकाई–2 **30 अंक**

खण्ड – (ब)

(चित्र संयोजन)

भारतीय चित्रण शैली अथवा स्वतंत्र शैली में काल्पनिक चित्र जिसमें कम से कम एक मानवाकृति एवं पृष्ठभूमि विषय के अनुकूल अंकित किये जाएँ। चित्र को जलरंग अथवा पेस्टल रंग से तैयार पूर्ण किया जाए। चित्र का आकार 20 से०मी० x 15से०मी० से कम ना हो।

इकाई–3 **20 अंक**

खण्ड – (स)

(मानव अंग चित्रण)

मानव शरीर के अंगों का चित्रण (सामने रखे प्लास्टर ऑफ पेरिस या मिट्टी से बनी मानव आँख , नाक, कान , होंठ हाथ , पैर का केवल पेंसिल द्वारा सही छाया प्रकाश तथ प्रतिछाया दर्शाते हुए चित्रण करना। चित्र कम से कम 15 सेमी. का होगा।

निर्धारित पुस्तक में कोई भी पुस्तक निर्धारित नहीं है विद्यालयों के प्रधान विषय अध्यापक के परामर्श से पाठ्यक्रम के अनुरूप उपयुक्त पुस्तक का चयन कर लें ।

प्रायोगिक एवं आतंरिक मूल्यांकन **30 अंक**

प्रायोगिक एवं आतंरिक मूल्यांकन के अंतर्गत 20 अंक प्रोजेक्ट कार्य के लिए तथा 10 अंक मासिक परीक्षा के लिए निर्धारित है जिसका मूल्यांकन विद्यालय स्तर पर किया जाएगा

प्रोजेक्ट कार्य की सूची –

नोट– निम्नलिखित में से कोई दो प्रोजेक्ट छात्रों से तैयार कराए। अध्यापक विषय से सम्बंधित अन्य प्रोजेक्ट भी दे सकते है। प्रत्येक प्रोजेक्ट 10 अंक का है।

निम्नलिखित कथनों के रंगीन पोस्टर बनाकर घर में एवं विद्यालय में लगाएं–

1– बाएं चलो

2– जीवों पर दया करो ।

3– सभी धर्म समान हैं ।

4– जय जवान , जय किसान ।

5– सब पढ़े , सब बढ़ें ।

6– दो पहिया वहां या चार पहिया वाहन चालकों के लिए हेलमेट एवं सीट बेल्ट का महत्व ।

7–किसी भारतीय चित्रकार का चित्रकला में योगदान।

शैक्षिक सत्र 2026–27 हेतु आन्तरिक मूल्यांकन– 30 अंक

1–प्रथम आन्तरिक मूल्यांकन – (प्रोजेक्ट कार्य)	अगस्त माह	10 अंक
2–द्वितीय आन्तरिक मूल्यांकन –(प्रोजेक्ट कार्य)	दिसम्बर माह	10 अंक
3–तृतीय आन्तरिक मूल्यांकन–(चार यूनिट टेस्ट आधारित)		10 अंक
(i) प्रथम यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	जुलाई द्वितीय सप्ताह	20 अंक
	(10 अंक ग्रीष्मावकाश ग्रहकार्य + 10 अंक यूनिट टेस्ट)	
(ii) द्वितीय यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	अगस्त अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iii) तृतीय यूनिट टेस्ट (MCQ आधारित)	नवम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक
(iv) चतुर्थ यूनिट टेस्ट (वर्णनात्मक प्रश्न आधारित)	दिसम्बर अन्तिम सप्ताह	20 अंक

नोटः–चारों यूनिट टेस्ट के प्राप्तांकों के योग को 10 अंक में परिवर्तित किया जाय।